पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

पीएफसी पर कोविड़ -19 प्रभाव- एफएक्यू

परिचय

कोविड़-19 को वैश्विक स्तर पर सबसे खराब सामाजिक और आर्थिक संकट के रूप में माना जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था द्वारा भी इसके प्रभाव को देखा जा रहा है और भारतीय विद्युत क्षेत्र भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है।

पीएफसी को निवेशकों द्वारा कई प्रश्न पूछे जा रहे है कि पीएफसी ऐसी स्थिति से कैसे निपट रहा है। तदनुसार, पीएफसी के व्यवसाय पर प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए, हमने निवेशकों द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों के उत्तर निम्नानुसार देने की कोशिश की है।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

1. **प्रश्न** - विद्युत मंत्रालय (एमओपी) द्वारा राज्य डिस्कॉम को जेनको के प्रति उनके भुगतान दायित्वों के लिए 3 माह के अधिस्थगन अवधि देने की घोषणा का पीएफसी के व्यवसाय पर क्या प्रभाव पड़ा है?

   पीएफसी उत्तर - दिनांक 27.3.2020 की विद्युत मंत्रालय घोषणा के बारे में, इस आदेश की कुछ गलत व्याख्या की गई, जिसमें यह व्याख्या की गई थी कि डिस्कॉम को 3 माह की अधिस्थगन अवधि प्रदान की गई है।

   इस संबंध में, विद्युत मंत्रालय ने दिनांक 06.04.2020 को स्पष्ट किया है कि बिल की प्रस्तुति (या पीपीए में दी गई अवधि) के 45 दिन के भीतर विद्युत के लिए भुगतान करने का बाध्यता वही रहेगी। इसके अतिरिक्त, पीपीए के अनुसार क्षमता प्रभार के लिए भुगतान करने की बाध्यताएं जारी रहेंगी, जैसा कि ट्रांसमिशन लागत के लिए भुगतान करने की बाध्यता है ।

   तदनुसार, डिस्कॉम द्वारा जेनको को किया जाने वाला भुगतान जारी रहेगा । इसके अलावा, विद्युत क्षेत्र में कुछ लिक्विडिटी लाने के लिए, विद्युत मंत्रालय द्वारा डिस्कॉम के लिए एक पैकेज तैयार किया जा रहा है।

   उपरोक्त के मद्देनजर, हम पीएफसी के व्यवसाय पर उपरोक्त किसी भी तत्काल प्रभाव की परिकल्पना नहीं करते हैं।

2. **प्रश्न** - पीएफसी के व्यवसाय पर कोविड़-19 का क्या प्रभाव पड़ा है और वर्तमान स्थिति को देखते हुए पीएफसी का व्यावसायिक दृष्टिकोण क्या है?

   पीएफसी उत्तर - कोविड़-19 का अब तक पीएफसी के व्यवसाय (यों) पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है। वास्तव में, पीएफसी ने मार्च के महीने में ही 11,000 करोड़ रुपए से अधिक का संवितरण किया। इसके अतिरिक्त, भविष्य की वृद्धि पर, हमें उम्मीद है कि पीएफसी अपने विकास स्तर को बनाए रखने में सक्षम होगा। पीएफसी का प्रमुख निधियन राज्य क्षेत्र के लिए है और हमें लगता है कि विद्युत क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, वर्तमान परिदृश्य में सरकार अपनी निवेश योजनाओं को जारी रखेगी और इस कठिन समय से उबरने के लिए राज्य विद्युत संस्थाओं के लिए विभिन्न उपायों की शुरुआत करेगी।

   इसके अतिरिक्त, पीएफसी वर्क फ्रॉम होम के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है, इसलिए लॉकडाउन में भी, पीएफसी अपने सभी व्यावसायिक गतिविधियों को सामान्य तरीके से जारी रखने में सक्षम है। इसलिए, हम दिन-प्रतिदिन संचालनों को संभालने के लिए सक्षम हैं।

   हालांकि, कोविड़-19 स्थिति विकसित होते ही सटीक प्रभाव और अधिक स्पष्ट हो जाएगा।

3. **प्रश्न** - क्या पीएफसी दिनांक 27.03.2020 को आरबीआई द्वारा हाल ही में घोषित आरबीआई विनियामक उपायों के अनुसार ऋणकर्ताओं को अधिस्थगन दे रहा है ?

   पीएफसी उत्तर - आरबीआई ने दिनांक 27 मार्च 2020 को कोविड़-19 महामारी के कारण व्यवधानों द्वारा लाए गए ऋण सर्विसिंग के बोझ को कम करने और व्यवहार्य व्यवसायों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कुछ नियामक उपायों की घोषणा की। आरबीआई द्वारा किए गए विभिन्न उपायों में, 1 मार्च, 2020 और 31 मई, 2020 के बीच देय सभी किश्तों के भुगतान पर एनबीएफसी सहित "ऋण देने वाली संस्थाओं" को तीन माह के अधिस्थगन देने की अनुमति दी है। इस प्रकार, पीएफसी एक एनबीएफसी होने की स्थिति में, अपने ऋणकर्ताओं को सावधि ऋणों के लिए अधिस्थगन के विस्तार हेतु पात्र है।

   उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, पीएफसी अपने ऋणकर्ताओं के लिए अधिस्थगन के विस्तार करने पर विचार कर रहा है और अधिस्थगन राहत योजना की रूपरेखा जल्द ही घोषित की जाएगी। इसके अतिरिक्त, आरबीआई के अनुसार इस तरह की अधिस्थगन राहत के परिणामस्वरूप परिसंपत्ति वर्गीकरण में गिरावट नहीं आएगी, इसलिए, यह परिकल्पना की गई है कि पीएफसी द्वारा अधिस्थगन के विस्तार का पीएफसी की संपत्ति की गुणवत्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4. **प्रश्न** - वर्तमान कोविड़-19 स्थिति और अपने ऋणकर्ताओं को अधिस्थगन राहत देने के कारण पीएफसी कैसे अपनी लिक्विडिटी स्थिति का प्रबंधन करने की योजना बना रहा है?

पीएफसी उत्तर - पीएफसी अपनी लिक्विडिटी का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न विकल्प ढूंढ रहा है। वर्तमान में, पीएफसी के पास बैंकों से 5000 करोड़ रुपए की अनाहरित ऋण व्यवस्थाएं हैं और हम उसमें वृद्धि करने की उम्मीद करते हैं। इसके अलावा, हम सावधि ऋणों के अतिरिक्त प्रतिबंध और जो सावधि ऋण मई 20 तक परिपक्व हो रहे हैं उनकी परिपक्वता तारीख को बदलने के लिए हैं बैंकों के साथ चर्चा कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, आरबीआई के लक्षित दीर्घावधि रेपो परिचालन (टीएलटीआरओ) द्वारा, बाजार में लिक्विडिटी में सुधार होने की उम्मीद है। इसके अलावा, आरबीआई बैंकों को एनबीएफसी के ऋण जारी करने और बड़े एक्सपोज़र फ्रेमवर्क के अंतर्गत विचार किए बिना टीएलटीआरओ फंड को नियोजन करने की अनुमति देता है। इसलिए, इस रूट के अंतर्गत पीएफसी को अतिरिक्त निधियन एवेन्यू उपलब्ध है।

हमें लगता है कि पीएफसी की उच्च ऋण योग्यता और ऋणदाताओं के साथ अच्छी तरह से स्थापित संबंध को देखते हुए किए जा रहे सभी प्रयासों के साथ, पीएफसी अपने व्यवसाय के संचालन को जारी रखने के लिए अपनी निधियन की जरूरत को पर्याप्त रूप से प्रबंधित करने में सक्षम होगा।

डिस्क्लेमर

उपर्युक्त जानकारी प्रबंधन के वर्तमान विचारों और अनुमानों को दर्शाती है और इन्हें प्रगतिशील विवरणों के रूप में माना जा सकता है। भविष्य में अनिश्चितताएं और जोखिम शामिल होतें हैं जो वर्तमान में व्यक्त किए गए विचारों से अलग परिणाम दे सकते हैं। संभावित अनिश्चितताओं और जोखिमों में सामान्य आर्थिक स्थिति, मुद्रा में उतार-चढ़ाव, प्रतिस्पर्धी उत्पाद और मूल्य निर्धारण दबाव, औद्योगिक संबंध और नियामक विकास जैसे कारक शामिल हैं। इसलिए, ऊपर दी गई जानकारी के आधार पर आपके द्वारा की गई कोई भी कार्रवाई अकेले आपकी जिम्मेदारी है और पीएफसी या उसके निदेशक या कार्मिक आपके द्वारा की गई ऐसी कार्रवाइयों के परिणाम के लिए किसी भी तरह से उत्तरदायी नहीं होंगे।

***

टिप्पणी : किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।